Dainik Bhaskar (Indore), 11th September 2021, Page-7

एनआईटी कर्नाटक, आईआईटी धनबाद और वीआईटी वेल्लोर के कारण पिछड़े

पिछले साल के बराबर स्कोर पाने के बावजूद रैंकिंग में 3 पायदान खिसका आईआईटी इंदौर

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क की घोषणा गुरुवार को की गई थी। इसमें आईआईटी इंदौर पिछले साल की तुलना में 3 रैंक नीचे आकर 13वें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं आईआईएम इंदौर एक पायदान ऊपर उठकर छठवें स्थान पर पहुंच गया है। जानिए, क्यों आईआईटी इंदौर की रैंकिंग में तीन पायदान नीचे आ गई।

स्कोर पर नहीं पड़ा फर्क

अंकों के नजरिए से देखें तो आईआईटी इंदौर की सिर्फ रैंकिंग गिरी है स्कोर पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा है। इसका मतलब यह है कि आईआईटी इंदौर की इस वर्ष और पिछले वर्ष की परफॉर्मेंस बराबर है और रैंक इस वजह से पीछे हुई क्योंकि दूसरे इंस्टीट्यूट ने पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर परफॉर्म किया है। आईआईटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक नीलेश जैन कहते हैं कि हमें इस वर्ष रैंकिंग में 62.56 और पिछले वर्ष 62.88 अंक मिले थे। रैंकिंग 2019-20 के एकेडमिक डेटा के आधार पर तैयार हुई है। हमारे पास 1900 से ज्यादा छात्र हैं और फैकल्टी की संख्या 155 ही है। रैंकिंग निकालने में परसेप्शन के भी अंक जोड़े गए हैं जिसमें आईआईटी इंदौर को 30 अंक ही मिले हैं, हमारा मुकाबला उन संस्थानों से हो रहा है जिनका परसेप्शन स्कोर 50 से ज्यादा है।

इनके कारण पिछड़े

इस बार और पिछले साल की शुरुआती 9 रैंक में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। 10वें नंबर पर पिछले साल आईआईटी इंदौर था वहां इस साल 64.19 अंक के साथ एनआईटी कर्नाटक है। 11वें स्थान पर 64.07 अंक के साथ आईआईटी धनबाद है और 12वें स्थान 63.68 अंक के साथ वीआईटी, वेल्लोर है। ये तीनों इंस्टीट्यूट पिछले साल रैंकिंग में आईआईटी इंदौर से पीछे थे पर इस साल उन्होंने स्कोर में सुधार करते